राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

तीन/चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम

वाणिज्य संकाय

कार्यक्रम का नाम:
UG0202– तीन/चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
बी. कॉम.

विषय–व्यावसायिक प्रशासन

(एनईपी-2020 और च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के अनुसार पाठ्यक्रम)

शिक्षण का माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी

शैक्षणिकसत्र 2025-26

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: UG0202 –तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
बी. कॉम.

विश्वविद्यालय का नाम	**राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर**
संकाय का नाम	**वाणिज्य**
कार्यक्रम का नाम	**व्यावसायिक प्रशासन**
विषय का प्रकार	**प्रमुख**
माइनर विषय के रूप में पेश किए जाने वाले कार्यक्रमों की सूची	**ABST/EAFM**
आवश्यकताएँ	**12वीं कक्षा उत्तीर्ण।**
स्वयंपाठी छात्रों के लिए प्रस्तावित	**हाँ**

कार्यक्रम के परिणाम (पीओ):

• व्यावसायिक ज्ञान और समझ: लेखांकन, अर्थशास्त्र, विपणन और प्रबंधन जैसे विषयों में प्रमुख व्यावसायिक अवधारणाओं, सिद्धांतों और प्रथाओं में एक मजबूत आधार विकसित करना।

• आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान: व्यावसायिक परिदृश्यों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने, चुनौतियों की पहचान करने और अभिनव समाधान विकसित करने के लिए विश्लेषणात्मक कौशल को बढ़ाना।

• प्रभावी संचार: विविध दर्शकों तक व्यावसायिक जानकारी को प्रभावी ढंग से पहुँचाने के लिए मौखिक और लिखित संचार में दक्षता का निर्माण करना।

• नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी: नैतिकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को विकसित करें, यह सुनिश्चित करते हुए कि व्यावसायिक निर्णय समाज और पर्यावरण में सकारात्मक रूप से योगदान देना।

• नेतृत्व और टीमवर्क: प्रबंधकीय और सहयोगी भूमिकाओं में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए नेतृत्व गुणों और टीमवर्क क्षमताओं का विकास करना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

• वैश्विक व्यापार जागरूकता: अंतर्राष्ट्रीय बाजारों, सांस्कृतिक विविधता और वैश्विक आर्थिक रुझानों सहित वैश्विक व्यावसायिक वातावरण में अंतर्दृष्टि प्राप्त करना।
• तकनीकी क्षमता: परिचालन दक्षता और निर्णय लेने को बढ़ाने के लिए आधुनिक व्यावसायिक प्रौद्योगिकियों और सूचना प्रणालियों में दक्षता हासिल करना।
• अनुसंधान और विश्लेषणात्मक कौशल: अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत करना, व्यावसायिक मुद्दों की व्यवस्थित जांच और साक्ष्य-आधारित रणनीतियों के निर्माण को सक्षम करना।
• अनुकूलनशीलता और आजीवन सीखना: तेजी से बदलते व्यावसायिक परिदृश्य में प्रासंगिक बने रहने के लिए अनुकूलनशीलता और निरंतर सीखने की मानसिकता को बढ़ावा देना।
• उद्यमशीलता की भावना: उद्यमशीलता की सोच और नए व्यावसायिक उपक्रमों को प्रभावी ढंग से आरंभ करने और प्रबंधित करने की क्षमता को प्रोत्साहित करना।

कार्यक्रम के विशिष्ट परिणाम (PSO):

• प्रबंधन सिद्धांत अनुप्रयोग: संगठनात्मक दक्षता और प्रभावशीलता को बढ़ाते हुए, वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक स्थितियों में मौलिक प्रबंधन सिद्धांतों को लागू करना।
• वित्तीय कौशल: वित्तीय विवरणों का विश्लेषण करने, बजट प्रबंधित करने और व्यावसायिक विकास का समर्थन करने के लिए सूचित वित्तीय निर्णय लेने की क्षमता का प्रदर्शन करना।
• विपणन रणनीतियाँ: संगठनात्मक लक्ष्यों के साथ संरेखित विपणन रणनीतियों को विकसित और कार्यान्वित करें और बाजार की माँगों का जवाब दना।
• मानव संसाधन प्रबंधन: भर्ती, प्रशिक्षण, प्रदर्शन प्रबंधन और कर्मचारी संबंधों में समकालीन प्रथाओं को लागू करके मानव संसाधनों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करना।
• परिचालन प्रबंधन: उत्पादन, रसद और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन तकनीकों के अनुप्रयोग के माध्यम से व्यावसायिक संचालन को अनुकूलित करना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

• व्यावसायिक कानून और नैतिकता: कानूनी अनुपालन और नैतिक आचरण सुनिश्चित करते हुए, व्यावसायिक संचालन में प्रासंगिक कानूनों और नैतिक सिद्धांतों को समझें और लागू करना।
• रणनीतिक योजना: दीर्घकालिक व्यावसायिक विकास और स्थिरता का मार्गदर्शन करने के लिए SWOT विश्लेषण सहित रणनीतिक योजना प्रक्रियाओं में संलग्न होना।
• ग्राहक संबंध प्रबंधन: ग्राहक संतुष्टि और वफ़ादारी बढ़ाने के लिए ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम) रणनीतियों को लागू करना।

• परियोजना प्रबंधन: निर्धारित समयसीमा और बजट के भीतर परियोजनाओं की योजना बनाने, उन्हें निष्पादित करने और सफलतापूर्वक बंद करने के लिए परियोजना प्रबंधन तकनीकों को लागू करना।

• व्यावसायिक संचार: आंतरिक और बाहरी संचार को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रभावी व्यावसायिक संचार रणनीतियों का उपयोग करें, जिससे स्पष्ट और सुसंगत संदेश सुनिश्चित हो सकना।

सेमेस्टरआधारित पेपर शीर्षक

कार्यक्रम का नाम: UG0202 – तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक								
				व्यावसायिक प्रशासन	क्रेडिट			
क्रम संख्या	स्तर	सेमेस्टर	प्रकार	शीर्षक	L	T	P	कुल
1.	5	I	MJR	**UG0202-BDM-51T-101- व्यवसाय प्रबंधन के सिद्धांत**	6	0	0	6
2.	5	II	MJR	**UG0202-BDM-52T-102-व्यापारविधि**	6	0	0	6
3.	6	III	MJR	**UG0202-BDM-63T-201-कंपनी अधिनियम**	6	0	0	6
4.	6	IV	MJR	**UG0202-BDM-64T-202- उद्यमिता के मूल सिद्धांत**	6	0	0	6
5.	7	V	MJR	**UG0202-BDM-75T-301-विपणन के सिद्धांत**	6	0	0	6

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

6.	7	VI	MJR	**UG0202-BDM-76T-302-मानव संसाधन प्रबंधन के मूल सिद्धांत**	6	0	0	6

परीक्षा योजना

1. 1 क्रेडिट = परीक्षा/मूल्यांकन के लिए 25 अंक
2. नियमित छात्रों के लिए सतत मूल्यांकन होगा, जिसमें सत्रवार कार्य और टर्मिनल परीक्षा अंतिम ग्रेड में योगदान देगी। सेमेस्टर ग्रेड पॉइंट औसत (SGPA) में प्रत्येक कोर्स के दो घटक हैं- सतत मूल्यांकन (20% वेटेज) और (अंतिम सेमेस्टर परीक्षा के अंत में) EoSE (80% वेटेज)।
3. नियमित छात्रों के लिए, EoSE में उपस्थित होने के लिए 75% उपस्थिति अनिवार्य है।
4. किसी कोर्स/विषय की EoSE परीक्षा में उपस्थित होने के लिए नियमित छात्र को मध्य सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित होना होगा और कोर्स/विषय में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करनी होगी।
5. किसी कोर्स/विषय में क्रेडिट पॉइंट तभी दिए जाएँगे, जब नियमित छात्र किसी कोर्स/विषय की CA और EoSE परीक्षा में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करेगा।
6. गैर-कॉलेजिएट छात्रों के मामले में कोई सतत मूल्यांकन नहीं होगा और किसी पाठ्यक्रम/विषय में क्रेडिट अंक केवल तभी दिए जाएंगे, जब गैर-कॉलेजिएट छात्र किसी पाठ्यक्रम/विषय की EoSE परीक्षा में कम से कम C ग्रेड प्राप्त करेगा।

लेटर ग्रैड और ग्रैड अंक

लेटर ग्रैड	ग्रैड अंक	Marks Range (%)
O (outstanding)	10	91 – 100
A+ (Excellent)	9	81 – 90
A (Very good)	8	71 – 80
B+ (Good)	7	61 – 70
B (Above average)	6	51 – 60
C (Average)	5	40 – 50
P (Pass)	4	
F (Fail)	0	
Ab (Absent)	0	

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

सतत मूल्यांकन के लिए परीक्षा योजना

सतत मूल्यांकन (CA) अंकों का वितरण

क्रमांक	श्रेणी	भार (कुल आंतरिक अंकों में से)		THEORY					PRACTICAL		
				कोर (केवल सैद्धांतिक)	कोर (सैद्धांतिक + प्रायोगिक)	AEC	SEC	VAC	CORE (Theory +Practical)	SEC	VAC
	अधिकतम आंतरिक अंक			**30**	**20**	**20**	**10**	**10**	**10**	**10**	**10**
1	मध्यावधि परीक्षा	***50%***		**15**	**10**	**10**	**5**	**5**	**5**	**5**	**5**
2	असाइनमेंट	***25%***		**7.5**	**5**	**5**	**2.5**	**2.5**	**2.5**	**2.5**	**2.5**
3	उपस्थिति	***25%***		**7.5**	**5**	**5**	**2.5**	**2.5**	**2.5**	**2.5**	**2.5**
		नियमित कक्षा उपस्थिति	= 75%	3	2	2	1	1	1	1	1
			75-80%	4	3	3	1.5	1.5	1.5	1.5	1.5
			80-85%	5	4	4	2	2	2	2	2
			> 85%	7.5	5	5	2.5	2.5	2.5	2.5	2.5

नोट:

1. सतत मूल्यांकन की सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक की होगी।
2. सतत मूल्यांकन के लिए पेपर सेटिंग, मूल्यांकन, निरीक्षण आदि के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं दिया जाएगा।
3. सतत मूल्यांकन के लिए पेपर सेटिंग और मूल्यांकन की जिम्मेदारी शिक्षक की होगी।
4. सतत मूल्यांकन के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कोई उत्तर पुस्तिका/प्रश्न पत्र आदि उपलब्ध नहीं कराए जाएंगे।
5. कॉलेजों को सतत मूल्यांकन, उपस्थिति आदि का रिकॉर्ड रखने की सलाह दी जाती है।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

EoSE परीक्षा योजना

CA – सतत मूल्यांकन

EoSE – सेमेस्टर के अंत में परीक्षा

नियमित छात्र –

प्रकार	पेपरकोडऔरनामकरण	परीक्षाकीअवधि		अधिकतमअंक (मिडटर्म + EoSE)		न्यूनतमअंक (मिडटर्म + EoSE)	
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-51T-101-व्यवसायप्रबंधनकेसिद्धांत	CA	1 Hr.	CA	30 Marks	CA	12 Marks
		EoSE	3 Hrs.	EoSE	120 Marks	EoSE	48 Marks
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-52T-102-व्यापारविधि	CA	1 Hr.	CA	30 Marks	CA	12 Marks
		EoSE	3 Hrs.	EoSE	120 Marks	EoSE	48 Marks
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-63T-201- कंपनी अधिनियम	CA	1 Hr.	CA	30 Marks	CA	12 Marks
		EoSE	3 Hrs.	EoSE	120 Marks	EoSE	48 Marks
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-64T-202-उद्यमिता के मूल सिद्धांत	CA	1 Hr.	CA	30 Marks	CA	12 Marks
		EoSE	3 Hrs.	EoSE	120 Marks	EoSE	48 Marks
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-75T-301-विपणन के सिद्धांत	CA	1 Hr.	CA	30 Marks	CA	12 Marks
		EoSE	3 Hrs.	EoSE	120 Marks	EoSE	48 Marks
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-76T-302-मानव संसाधन प्रबंधन के मूल सिद्धांत	CA	1 Hr.	CA	30 Marks	CA	12 Marks
		EoSE	3 Hrs.	EoSE	120 Marks	EoSE	48 Marks

EoSEपरीक्षा योजना

प्रश्न पत्र में तीन भाग ए, बी और सी शामिल हैं।

भाग-ए: 20 अंक

भाग ए में 10 अति लघु उत्तरीय प्रश्न (20 शब्दों की सीमा के साथ) अनिवार्य होंगे, जिनमें से प्रत्येक दो अंकों का होगा।

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

भाग-बी: 20 अंक

पेपर के भाग बी में प्रत्येक **इकाई** से एक प्रश्न का चयन करते हुए 4 प्रश्न होंगे और छात्र को किन्हीं 2 प्रश्नों (100 शब्दों की सीमा के साथ) का प्रयास करना होगा, जिनमें से प्रत्येक 10 अंकों का होगा।

भाग-सी: 80 अंक

प्रश्न पत्र के भाग सी को प्रश्न संख्या 6-9 वाली चार इकाइयों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक **इकाई** से आंतरिक विकल्प वाला एक प्रश्न होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा।

स्वयंपाठी छात्र –

परीक्षा का प्रकार	पाठ्यक्रम कोड और नामकरण	परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-51T-101-व्यवसायप्रबंधनकेसिद्धांत	3 Hrs	150 Marks	60 Marks
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-52T-102-व्यापारविधि	3 Hrs	150 Marks	60 Marks
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-63T-201-कंपनी अधिनियम	3 Hrs	150 Marks	60 Marks
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-64T-202-उद्यमिता के मूल सिद्धांत	3 Hrs	150 Marks	60 Marks
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-75T-301-विपणन के सिद्धांत	3 Hrs	150 Marks	60 Marks
सैद्धांतिक	UG0202-BDM-76T-302-मानव संसाधन प्रबंधन के मूल सिद्धांत	3 Hrs	150 Marks	60 Marks

प्रश्न पत्र में तीन भाग एए बी और सी शामिल हैं।

भाग-ए: 40 अंक

भाग ए में 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न (20 शब्दों की सीमा के साथ) अनिवार्य होंगेए जिनमें से प्रत्येक दो अंकों का होगा।

भाग-बी: 30 अंक

पेपर के भाग बी में प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का चयन करते हुए 4 प्रश्न होंगे और छात्र को किन्हीं 2 प्रश्नों (100 शब्दों की सीमा के साथ) का प्रयास करना होगाए जिनमें से प्रत्येक 15 अंकों का होगा।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

भाग-सी: 80 अंक

प्रश्न पत्र के भाग सी को प्रश्न संख्या 6.9 वाली चार इकाइयों में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक इकाई से आंतरिक विकल्प वाला एक प्रश्न होगा। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का होगा।

पाठ्यक्रम

कार्यक्रम का नाम: तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक

पाठ्यक्रम का शीर्षक: व्यवसाय प्रबंधन के सिद्धांत

पेपर कोड:BDM-51T-101

सेमेस्टर: I

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
I	BDM-51T-101	व्यवसाय प्रबंधन के सिद्धांत	5	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
प्रारंभिक	प्रमुख	व्याख्यान, प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

BDM-51T-101 –व्यवसाय प्रबंधन के सिद्धांत

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. छात्रों को प्रबंधन की सार्वभौमिकता और औपचारिक प्रबंधन शिक्षा की आवश्यकता के बारे में जागरूक करना।
2. उन्हें प्रबंधन विचार की विकासवादी प्रक्रिया की सराहना करने में सक्षम बनाना।
3. उन्हें विभिन्न प्रबंधकीय कार्यों और उनके अभ्यास के पीछे के सिद्धांतों से परिचित कराना।
4. छात्रों को प्रबंधन के क्षेत्र में हुए हालिया बदलावों से परिचित कराना।

इकाई I: परिचय: प्रबंधन की अवधारणा, प्रकृति, प्रक्रिया और महत्व; प्रबंधकीय भूमिकाएँ (मिंटज़बर्ग); प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्रों का अवलोकन, प्रबंधन विचारों का विकास - शास्त्रीय, नव-शास्त्रीय और आकस्मिक दृष्टिकोण। नियोजन: अवधारणा, प्रक्रिया, प्रकार, स्तर, लाभ, हानि और

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

नियोजन के सिद्धांत।

इकाई II: निर्णयन: अवधारणा और प्रक्रिया; उद्देश्य द्वारा प्रबंधन (एमबीओ)। संगठन: संकल्पना, प्रकृति, प्रक्रिया और महत्व, प्राधिकार और उत्तरदायित्व संबंध। केंद्रीकरण और विकेंद्रीकरण; प्रबंध का विस्तार। समन्वय: अर्थ, महत्व, सिद्धांत और तकनीक।

इकाई III: निर्देशन: अर्थ और सिद्धांत। कार्यस्थल पर अभिप्रेरण और नेतृत्व करने वाले लोग: अभिप्रेरण-संकल्पना, महत्व, सिद्धांत - मास्लो, हर्ज़बर्ग, मैकग्रेगर और औची। नेतृत्व- संकल्पना और नेतृत्व शैलियाँ; लिकर्ट की प्रबंधन प्रणाली।

इकाई IV: प्रबंधकीय नियंत्रण: संकल्पना और प्रक्रिया; प्रभावी नियंत्रण प्रणाली; नियंत्रण की तकनीक. परिवर्तन का प्रबंधन: अवधारणा, प्रकृति, परिवर्तन के प्रकार और नियोजित परिवर्तन की प्रक्रिया, परिवर्तन का प्रतिरोध और परिवर्तन के प्रतिरोध को कम करने के तरीके।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

• हेरोल्ड नूट्ज़ और हेंज वेइरिच: प्रबंधन की अनिवार्यता, टाटा मैकग्रा हिल, नई दिल्ली।
• विजय कुमार कौल: बिजनेस मैनेजमेंट, विकास पब्लिशिंग हाउस, नोएडा (यूपी)।
• लुई ए. एलन: प्रबंधन और संगठन, मैकग्रा हिल, टोक्यो।
• अंसॉफ, एच.आई. : कॉर्पोरेट रणनीति, मैकग्रा हिल, न्यूयॉर्क।
• हैम्पटन डेविड आर.: मॉडर्न मैनेजमेंट, मैकग्रा हिल, न्यूयॉर्क।
• जेम्स ए.एफ. स्टोनर, आर. एडवर्ड फ्रीमैन, डेनियल आर. गिल्बर्ट, जूनियर: प्रबंधन, प्रेंटिस हॉल, नई दिल्ली।
• हार्सी, पॉल और ब्लैंचर्ड केनेथ एच: संगठनात्मक व्यवहार का प्रबंधन-मानव संसाधनों का उपयोग, प्रेंटिस हॉल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली।
• जॉन एम. इवानसेविच, जेम्स एच. डोनेली, जूनियर जेम्स एल. गिब्सन: प्रबंधन सिद्धांत और कार्य। एआईटीबीएस प्रकाशक और वितरक, नई दिल्ली।
• जॉर्ज आर. टेरी, स्टीफ़गेन जी. फ्रैंकलिन: प्रबंधन के सिद्धांत, एआईटीबीएस प्रकाशक और वितरक, नई दिल्ली।
• आर.डी. अग्रवाल: संगठन और प्रबंधन, टाटा मैकग्रा हिल, नई दिल्ली।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. औपचारिक प्रबंधन शिक्षा की आवश्यकता को स्वीकार करना।
2. प्रभावी प्रबंधक बनने के लिए कौशल हासिल करना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

3. व्यवसाय और उद्योग से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए बुनियादी व्यवसाय प्रबंधन सिद्धांतों को लागू करने की क्षमता हासिल करना।

4. जहां भी संभव हो प्रबंधन सिद्धांतों का अभ्यास करना और उपलब्ध संसाधनों का अधिक उत्पादक ढंग से उपयोग करना।

कार्यक्रम का नाम: तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक

पाठ्यक्रम का शीर्षक: व्यापार विधि

पेपर कोड:BDM-52T-102

सेमेस्टर- II

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
II	BDM-52T-102	व्यापार विधि	5	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
प्रारंभिक	प्रमुख	व्याख्यान, प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

BDM-52T-102: व्यापार विधि

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. कानून की उन शाखाओं का ज्ञान प्राप्त करना जो व्यावसायिक लेनदेन, कुछ कॉर्पोरेट निकायों और संबंधित मामलों से संबंधित हैं।
2. व्यावहारिक व्यावसायिक स्थितियों में इन कानूनों के अनुप्रयोगों को समझना।

इकाई I: भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872, धारा 1 से 75

इकाई II: विशेष अनुबंध; क्षतिपूर्ति; गारंटी; जमानत और गिरवी, एजेंसी

इकाई III: भारतीय माल बिक्री अधिनियम, 1930

इकाई IV: सीमित देयता भागीदारी अधिनियम, 2008

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

•देसाई, टी.आर. : अनुबंध अधिनियम, माल की बिक्री अधिनियम और साझेदारी खाते, एस.सी. सरकार एंड संस प्राइवेट। लिमिटेड, कोलकाता
• कुच्छल, एम.सी. और कुच्छल विवेक: बिजनेस लॉ, विकास पब्लिशिंग हाउस, नोएडा (यूपी)।
• सिंह, अवतार: मर्केंटाइल लॉ के सिद्धांत, ईस्टर्न बुक कंपनी, लखनऊ
• कपूर, एन.डी.: बिजनेस लॉ, सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली
• तुलसियान पी.सी., तुलसियान भारत, तुलसियानतुषार: बिजनेस लॉज़, एस.चंद प्रकाशन।
• चंद्रा, पी.आर.: बिजनेस लॉ, गलगोटिया, नई दिल्ली
• भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872- बेयर एक्ट।
• माल की बिक्री अधिनियम, 1930- बेयर एक्ट।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. विभिन्न कानूनी अधिनियमों के तहत अधिकारों और कर्तव्यों को जानना।
2. व्यावसायिक स्थितियों पर विभिन्न कानूनों की प्रयोज्यता के परिणामों को समझना।
3. कानूनी मामलों के उपयोग के माध्यम से आलोचनात्मक सोच विकसित करना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: कंपनी अधिनियम
पेपर कोड: BDM-63T-201

सेमेस्टर: III

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
III	BDM-63T-201	कंपनी अधिनियम	6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
मध्यवर्ती	प्रमुख	व्याख्यान, प्रति सप्ताह छह घंटे		
परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक		
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक		

विस्तृत पाठ्यक्रम
BDM-63T-201-कंपनी अधिनियम

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार व्यवसाय और उसकी प्रक्रियाओं को विकसित करना और समझना है।

इकाई I: कंपनी अधिनियम, 2013 की पृष्ठभूमि और प्रमुख विशेषताएं। कंपनी और इसकी विशेषताएं। कंपनियों के प्रकार। कंपनी और साझेदारी के बीच का अंतर। कॉर्पोरेट पर्दाउठाना। कंपनी का गठन और समामेलन- प्रवर्तक और उनकी कानूनी स्थिति, पूर्व-समामेलन अनुबंध और अनंतिम अनुबंध, कंपनी का ऑनलाइन पंजीकरण, समामेलन प्रमाणपत्र। पार्षद सीमानियम, पार्षद अन्तर्नियम - रचनात्मक सूचना और आंतरिक प्रबंधन का सिद्धांत।

इकाई II: प्रविवरण: अर्थ और परिभाषा - विषयवस्तु, प्रविवरण के संबंध में सांविधिक आवश्यकताएं। माना हुआ प्रविवरण, शेल्फ और मायावी प्रविवरण, प्रविवरण में मिथ्याकथन: सिविल और आपराधिक दायित्व।

पूंजी जुटाने के विभिन्न तरीके। ग्लोबल डिपॉजिटरी रसीदें (जीडीआर), बुक बिल्डिंग, प्रतिभूतियों कानिर्गमन - निजी आधारपर, सार्वजनिक निर्गमन, अधिकार निर्गमन, बोनस शेयर; कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओएस), स्वेटइक्विटी शेयर। शेयरों की पुनर्खरीद, शेयरों का आवंटन, शेयरों की जब्ती, और प्रतिभूतियों का अन्तरण एवंपारेषण।

इकाई III: निदेशक: निदेशक का वर्गीकरण - महिला निदेशक, स्वतंत्र निदेशक, शेयरधारक

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

निदेशक, निदेशक पहचान संख्या (डीआईएन), निदेशक की नियुक्ति, योग्यता और अयोग्यता। कानूनी स्थिति, शक्तियाँ और कर्तव्य, निदेशक को हटाना, निदेशक को ऋण और निदेशक को पारिश्रमिक। निदेशक मंडल की विभिन्न समितियाँ।

प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक - प्रबंध निदेशक, पूर्णकालिक निदेशक, प्रबंधक, कंपनी सचिव, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, निवासी निदेशक।

इकाई IV:सभाएं: वैधानिक सभा, वार्षिक साधारण सभा (एजीएम), असाधारण सभा, वर्ग सभा, वर्चुअल बैठक, हितधारकों की सभाएं।

कंपनी का समापन: समापन का अर्थ, कंपनी का विघटन, न्यायाधिकरण द्वारा समापन की संकल्पना की समझ, अनिवार्य समापन, सदस्यों का स्वैच्छिक समापन, ऋणदाताओं का स्वैच्छिक समापन।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

• अवतार सिंह, इंडियन कंपनी लॉ, ईस्टर्न बुक कंपनी।
• रॉय एंड दास, कंपनी लॉ, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
• जीके कपूर और संजय धमीजा, कंपनी लॉ, भारत लॉ हाउस।
• सी.आर.दत्ता, कंपनी कानून पर दत्ता; लेक्सिस नेक्सिस, बटरवर्थ्स वाधवा, नागपुर।
• के.सी. गर्ग, आर.सी. चावला, विजय गुप्ता: कंपनी कानून; कल्याणी प्रकाशक।
• कुच्छल एम.सी., मॉडर्न इंडियन कंपनी लॉ, श्री महावीर बुक डिपो, दिल्ली।
• एच.के. सहारा, कंपनी कानून; यूनिवर्सल लॉ पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली।
• वी.एस. डेटी, टैक्स और कॉर्पोरेट कानूनों की मार्गदर्शिका; टैक्समैन, नई दिल्ली।
• शुक्ला एस.एम., कंपनी अधिनियम एवं सचिवीय पद्धति।
•मित्तल और अग्रवाल: कंपनी अधिनियम एवं सचिवालय विधि।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1 कंपनी अधिनियम के अंतर्गत आने वाली विभिन्न कंपनियों में शामिल नियामक पहलुओं और व्यापक प्रक्रियात्मक पहलुओं को समझना।

2. किसी कंपनी के गठन और निगमन की प्रक्रिया और कानूनी दस्तावेजों को समझना।

3. कंपनी के लिए पूंजी जुटाने की प्रक्रिया और दस्तावेजों की समझ प्राप्त करना।

4. कंपनी की बैठकों और कॉर्पोरेट निर्णय लेने की प्रक्रिया को समझना। समापन प्रक्रिया की समझ विकसित करना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक

पाठ्यक्रम का शीर्षक: उद्यमिता के मूल सिद्धांत

पेपर कोड: BDM-64T-202

सेमेस्टर: IV

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
IV	BDM-64T-202	उद्यमिता के मूल सिद्धांत	6	6
पाठ्यक्रम का स्तर	**पाठ्यक्रम का प्रकार**	**पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार**		
मध्यवर्ती	प्रमुख	व्याख्यान, प्रति सप्ताह छह घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म-30 अंक EoSE-120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

BDM-64T-202- उद्यमिता के मूल सिद्धांत

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. छात्रों को प्रेरित करना और उन्हें उद्यमशीलता की मानसिकता अपनाने में मदद करना।
2. उद्यमिता और लघु व्यवसाय प्रबंधन की मूल अवधारणा, भूमिका और संरचनाओं से परिचित कराना।
3. उद्यमिता में नवीनतम रुझानों और विकास को समझना।
4. उद्यमियों के लिए सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना।
5. उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय प्रबंधन की समस्याओं का विश्लेषण एवं समाधान करना।

इकाई I: उद्यमिता की अवधारणा, उद्यमिता की भूमिका, उद्यमिता के प्रकार, उद्यमिता गुण, उद्यमिता और प्रबंधक, उद्यमिता की समस्याएँ।

इकाईII: राजस्थान के उद्यमी, ग्रामीण उद्यमी, तकनीकी उद्यमी, कृषि उद्यमी, महिला उद्यमी, उद्यमिता प्रशिक्षण और विकास, उद्यमिता को सरकारी प्रोत्साहन।

इकाईIII: लघु और मध्यम उद्यमों की अवधारणा, लघु और मध्यम उद्यमों की भूमिका, भारत में लघु और मध्यम उद्यमों को नियंत्रित करने वाली नीतियाँ, लघु और मध्यम व्यवसाय उद्यमों का प्रबंधन, लघु और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहित करने वाले वित्तीय संस्थानों की भूमिका।

इकाईIV: लघु उद्यमों की स्थापना की प्रक्रिया, भारत में लघु उद्योगों की संगठन संरचना, भारत में लघु उद्योगों के लिए कराधान लाभ और रियायतें, भारत में लघु उद्योगों की

Dy. Registrar (Academic) University of Rajasthan JAIPUR

समस्याएँ।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

• राव, टी. वेंकटेश्वर और पारीक, उदय, विकासशील उद्यमिता, नई दिल्ली लर्निंग सिस्टम कंपनी।
•भंसाली, उद्यमिता विकास, एचपीबी।
• शर्मा, प्रदीप, उद्यमिता और लघु व्यवसाय प्रबंधन, आरबीएसए, जयपुर।
• देसाई, द्रेवसंत, उद्यमिता और लघु व्यवसाय प्रबंधन के बुनियादी सिद्धांत, हिमालय पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट। लिमिटेड
• पटना, के.के., फंडामेंटल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप, हिमालय पब्लिशिंग हाउस प्रा. लिमिटेड
• श्रीवास्तव, एस.बी., ए प्रैक्टिकल गाइड टू इंडस्ट्रियल एंटरप्रेन्योरशिप, सुल्तान चंद एंड संस।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. उद्यमिता और सफल उद्यमियों के बारे में समझ विकसित करना।
2. उद्यमिता मानसिकता विकसित करना, जिसमें प्रमुख कौशल जैसे कि वार्ता, व्यक्तिगत बिक्री और संचार सीखना शामिल है।
3. उद्यमियों की सोच प्रक्रिया को समझना और उद्यमिता दृष्टिकोण से उनकी ताकत, कमजोरियाँ और निर्णय लेने की शक्ति को समझना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: विपणन के सिद्धांत
पेपर कोड: BDM-75T-301
सेमेस्टर: V

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
V	BDM-75T-301	विपणन के सिद्धांत	7	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
उच्च स्तर	प्रमुख	व्याख्यान - प्रति सप्ताह छः घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म- 30 अंक EoSE- 120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम
BDM-75T-301- विपणन के सिद्धांत

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. मौलिक विपणन अवधारणाओं तथा विपणन प्रबंधन की भूमिका को समझना।
2. उपभोक्ता व्यवहार, बाजार विभाजन, लक्ष्यीकरण तथा स्थिति का विश्लेषण करना।
3. विपणन में उत्पाद, मूल्य निर्धारण तथा वितरण रणनीतियों की जांच करना।
4. विज्ञापन तथा जनसंपर्क सहित संवर्द्धनात्मक रणनीतियों का पता लगाना।

इकाई I: विपणन तथा विपणन प्रबंधन का परिचय, विपणन अवधारणाएँ। विपणन मिश्रण – उत्पाद, मूल्य, स्थान और प्रचार। उपभोक्ता तथा खरीद व्यवहार। बाजार विभाजन, लक्ष्यीकरण तथा स्थिति निर्धारण।

इकाई II: उत्पाद निर्णय - उत्पाद की अवधारणा, उत्पादों का वर्गीकरण, उत्पाद मिश्रण निर्णय- उत्पाद लाइन तथा उत्पाद मिश्रण, ब्रांड । नए उत्पाद विकास- चरण, उत्पाद जीवन चक्र- अवस्था तथा रणनीतियाँ।

इकाई III: विपणन वातावरण- वृहद तथा सूक्ष्म घटक तथा विपणन निर्णयों पर उनका प्रभाव; मूल्य निर्णय - मूल्य निर्धारण उद्देश्य, मूल्य निर्धारण को प्रभावित करने वाले कारक, मूल्य निर्धारण नीतियाँ तथा बाधाएँ, विभिन्न मूल्य निर्धारण विधि - नए उत्पाद का मूल्य निर्धारण, उत्पाद मिश्रण मूल्य निर्धारण रणनीतियाँ तथा मूल्य समायोजन रणनीति।

इकाई IV: वितरण माध्यम तथा भौतिक वितरण निर्णय: वितरण माध्यमो की प्रकृति, कार्य तथा प्रकार;

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

वितरण माध्यम मध्यस्थ; माध्यम प्रबंधन निर्णय; खुदरा तथा थोक बिक्री। संवर्धन निर्णय: संचार प्रक्रिया; संवर्धन मिश्रण - विज्ञापन, व्यक्तिगत बिक्री, बिक्री संवर्धन, प्रचार तथा जनसंपर्क; विज्ञापन बजट का निर्धारण; कॉपी डिजाइनिंग तथा परीक्षण; मीडिया चयन; विज्ञापन प्रभावशीलता; बिक्री संवर्धन - उपकरण तथा तकनीकें।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

- कोटलर, पी., तथा केलर, के.एल. (2012) : विपणन प्रबंधन: एक दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य, पियर्सन एजुकेशन, नोएडा, भारत ।
- रामास्वामी, वी.एस., तथा नामकुमारी, एस. (2013) : विपणन प्रबंधन: वैश्विक परिप्रेक्ष्य भारतीय संदर्भ, मैकमिलन इंडिया, नई दिल्ली, भारत ।
- छाबड़ा, टी.एन. (2011) : विपणन के सिद्धांत, धनपत राय एंड कंपनी, नई दिल्ली, भारत ।
- माधुरी, पी., तथा शर्मा, के. (2014) : विपणन सिद्धांत तथा अभ्यास, पियर्सन एजुकेशन इंडिया, नोएडा, भारत ।
- जैन, एस.सी., तथा शर्मा, डी.डी. (2012) : विपणन प्रबंधन: एक दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य, सेनगेज लर्निंग इंडिया, नई दिल्ली, भारत ।
- पुरी, बी.के. (2010) : विपणन के सिद्धांत, सुल्तान चंद एंड संस, नई दिल्ली, भारत ।
- गुप्ता, एस.एल. (2014) : विपणन के सिद्धांत, पीएचआई लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, भारत ।
- दुबे, एस. (2011) : विपणन प्रबंधन: मामले तथा अवधारणाएँ, मैकग्रॉ-हिल एजुकेशन इंडिया, नई दिल्ली, भारत ।
- कुमार, वी., तथा सैनी, आर. (2013) : विपणन के सिद्धांत, विली इंडिया, नई दिल्ली, भारत ।
- बाजपेयी, एन. (2015) : विपणन के सिद्धांत: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, भारत ।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. मुख्य विपणन अवधारणाओं, उपभोक्ता व्यवहार तथा विभाजन को समझाना।
2. विपणन में उत्पाद प्रबंधन तथा ब्रांडिंग रणनीतियों को लागू करना।
3. विपणन पर्यावरण प्रभाव तथा मूल्य निर्धारण रणनीतियों का आकलन करना।
4. प्रभावी वितरण तथा संवर्द्धनात्मक रणनीतियों का विकास करना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

कार्यक्रम का नाम: तीन/ चार वर्षीय वाणिज्य स्नातक
पाठ्यक्रम का शीर्षक: मानव संसाधन प्रबंधन के मूल सिद्धांत
पेपर कोड: BDM-76T-302
सेमेस्टर: VI

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का कोड	पाठ्यक्रम/पेपर का शीर्षक	NHEQF स्तर	क्रेडिट
VI	BDM-76T-302	मानव संसाधन प्रबंधन के मूल सिद्धांत	7	6
पाठ्यक्रम का स्तर	पाठ्यक्रम का प्रकार	पाठ्यक्रम का वितरण प्रकार		
उच्च स्तर	प्रमुख	व्याख्यान - प्रति सप्ताह छः घंटे		

परीक्षा की अवधि	अधिकतम अंक	न्यूनतम अंक
मिडटर्म -1 घंटा EoSE-3 घंटे	मिडटर्म- 30 अंक EoSE- 120 अंक	मिडटर्म -12 अंक EoSE-48 अंक

विस्तृत पाठ्यक्रम

BDM-76T-302- मानव संसाधन प्रबंधन के मूल सिद्धांत

पाठ्यक्रम के उद्देश्य:

1. मानव संसाधन प्रबंधन के मूल सिद्धांतों, कार्यों तथा महत्व को समझना।
2. प्रभावी कार्यबल नियोजन के लिए कार्य विश्लेषण, कार्य विवरण तथा कार्य विशिष्टता का विश्लेषण करना।
3. मानव संसाधन प्रबंधन में भर्ती, चयन तथा नियुक्ति प्रक्रियाओं की जांच करना।
4. प्रशिक्षण विधियों, प्रदर्शन मूल्यांकन तकनीकों तथा कर्मचारी विकास पर उनके प्रभाव का पता लगाना।

इकाई I: मानव संसाधन प्रबंधन - अर्थ, परिभाषा, महत्व, मानव संसाधन प्रबंधन की अवधारणा, मानव संसाधन प्रबंधन के कार्य, मानव संसाधन प्रबंधक की भूमिका तथा क्षमताएँ, मानव संसाधन प्रबंधन बनाम व्यक्तिगत प्रबंधन। मानव संसाधन योजना: अवधारणा, उद्देश्य, मानव संसाधन नियोजन की आवश्यकता तथा प्रक्रिया।

इकाई II: कार्य विश्लेषण: अर्थ तथा परिभाषाएँ, उद्देश्य, उपयोग, कार्य विश्लेषण की प्रक्रिया तथा तकनीकें। कार्य विवरण तथा कार्य विशिष्टता: कार्य विवरण का अर्थ तथा परिभाषा, अच्छी कार्य विवरण की विषय-वस्तु तथा विशेषताएँ, कार्य विशिष्टता का अर्थ, कार्य विवरण बनाम कार्य विशिष्टता।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

इकाई III: भर्ती: अर्थ तथा परिभाषाएँ, भर्ती प्रक्रिया, भर्ती को प्रभावित करने वाले कारक, भर्ती के स्रोत। चयन: अर्थ तथा परिभाषाएँ, चयन प्रक्रिया। स्थानन: अवधारणा, स्थानन के सिद्धांत।

इकाई IV: प्रशिक्षण: परिभाषा तथा अर्थ, प्रशिक्षण की आवश्यकता तथा महत्व, व्यवस्थित प्रशिक्षण योजना में चरण, प्रशिक्षण विधियाँ तथा तकनीकें। प्रदर्शन मूल्यांकन: अर्थ तथा परिभाषा, उद्देश्य, प्रदर्शन मूल्यांकन प्रक्रिया, प्रदर्शन मूल्यांकन की विधियाँ।

सुझाई गई पुस्तकें और संदर्भ:

- तिवारी, आर. (2011) : मानव संसाधन प्रबंधन: एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य, पियर्सन एजुकेशन, नोएडा, भारत।
- कुमार, एस.,तथा जैन, आर. (2014) : मानव संसाधन प्रबंधन: एक आधुनिक दृष्टिकोण, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, मुंबई, भारत।
- डेसलर, जी., तथा वोहरा, एन. (2013) : मानव संसाधन प्रबंधन, पियर्सन एजुकेशन इंडिया, नोएडा, भारत।
- छाबड़ा, टी. एन. (2011) : मानव संसाधन प्रबंधन, धनपत राय एंड कंपनी, नई दिल्ली, भारत।
- भाटिया, एस. (2012) : मानव संसाधन प्रबंधन के मूल सिद्धांत, मैकग्रॉ-हिल एजुकेशन इंडिया, नई दिल्ली, भारत।
- भाटिया, एस. के. (2013) : मानव संसाधन प्रबंधन, गलगोटिया पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली, भारत
- अग्रवाल, आर. (2013) : मानव संसाधन प्रबंधन: पाठ तथा मामले, टाटा मैकग्रॉ-हिल एजुकेशन, नई दिल्ली, भारत।
- सरमा, ए.(2010) : मानव संसाधन प्रबंधन: सिद्धांत तथा अभ्यास, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, भारत।
- पांडे, ए. (2015) : मानव संसाधन प्रबंधन: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य, सेनगेज लर्निंग इंडिया, नई दिल्ली, भारत।
- त्रिपाठी, पी. सी., तथा रेड्डी, पी. एन. (2014), कार्मिक प्रबंधन तथा मानव संसाधन। टाटा मैकग्रॉ-हिल एजुकेशन, नई दिल्ली, भारत।

पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम:

1. संगठनों में मानव संसाधन प्रबंधन के अर्थ, कार्यों तथा भूमिका की व्याख्या करना।
2. कार्य विश्लेषण करना तथा कार्य विवरण तथा कार्य विशिष्टता के बीच अंतर करना।
3. मानव संसाधन प्रबंधन में भर्ती, चयन तथा स्थानन रणनीतियों का आकलन करना।
4. कार्यबल विकास के लिए प्रशिक्षण विधियों तथा प्रदर्शन मूल्यांकन तकनीकों को लागू करना।

Dy. Registrar
(Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR